राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड

प्रेस नोट

देहरादून 03 मार्च , 2011 राजभवन में नौवें बसन्तोत्सव/पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन 05 व 06 मार्च को होगा। 05 मार्च को प्रातः 10 बजे राज्यपाल श्रीमती मार्ग्रेट आल्वा द्वारा बसन्तोत्सव 2011 का उद्घाटन किये जाने के साथ ही डाक तार विभाग द्वारा विशेष रूप से तैयार प्रथम दिवस आवरण (डाक टिकट) (First day Cover) का विमोचन भी किया जायेगा। इस वर्ष प्रथम दिवस आवरण डाक टिकट पर **'फेन कमल'** पुष्प को दर्शाया जायेगा।

उद्घाटन के बाद 11 बजे से सांय 6 बजे प्रदर्शनी में जन सामान्य के लिए निःशुल्क प्रवेश अनुमन्य होगा। 06 मार्च को प्रदर्शनी प्रातः 10 बजे से देखी जा सकेगी।

आज राजभवन के सभा कक्ष में राज्यपाल ने **बसन्तोत्सव–2011** पर प्रेस–मीडिया के प्रतिनिधियों के समक्ष प्रकाश डालते हुए कहा कि राजभवन में प्रति वर्ष आयोजित होने वाली इस प्रदर्शनी को आम जनता के बीच लोकप्रिय, आकर्षक, सार्थक व बहुआयामी बनाने के निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। इस वर्ष पुष्प प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों के बीच **''ग्रीन दून क्लीन दून''** का संदेश आम जनता तक पहुॅचाया जायेगा। पालीथीन के प्रयोग को हतोत्साहित करने तथा जूट एवं कपड़े के थैलों के प्रयोग को प्रोत्साहन देने के लिए स्वयंसेवी समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित थैलों का स्टॉल भी लगाये जायेंगे।

राज्यपाल ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल पुष्प प्रदर्शनी नहीं बल्कि इससे जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करना है। उद्यान व कृषि क्षेत्र में नई तकनीक के प्रचार–प्रसार,स्थानीय कारीगरों के हस्तशिल्प, लोक संस्कृति के प्रदर्शन के लिए इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने बताया कि पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय द्वारा ग्रीन हाउस, जिसमें नई तकनीक से उत्पादित किये जा सकने वाले उन्नत किस्म के फूल, सब्जी तथा जड़ी बूटियों, अक्षय ऊर्जा विभाग द्वारा गैर परम्परिक स्रोतों पर आधारित सौर ऊर्जा तकनीक तथा लोक निर्माण विभाग द्वारा जलवायु परिवर्तन के अनुरूप कम लागत वाली **ग्रीन बिल्डिंग तकनीक** का प्रदर्शन बसन्तोत्सव–2011 के मुख्य आकर्षण होंगे। इको फ्रैण्डली तकनीक को प्रोत्साहित करने के लिए हैण्ड मेड पेपर का प्रयोग, सूखे फूलों, पत्तियों आदि के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है।

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा राजभवन में आयोजित प्रदर्शनी को राज्यपाल की प्रेरणा व मार्गदर्शन के अन्तर्गत प्रतिवर्ष नये आयाम दिये जा रहे हैं। 'बसन्तोत्सव' के अनुरूप सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन रखा गया। उत्तराखण्ड के व्यजनों के साथ दक्षिण भारतीय व अन्य लोकप्रिय व्यजनों के लिए **'फूड कोर्ट'** भी बनाया गया है। राज्यपाल ने कहा कि राज्य की लोक कला एवं परम्परागत संस्कृति को उजागर करने के लिए यह आयोजन एक अच्छा अवसर है। उन्होंने बताया कि बसन्तोत्सव के लिए निर्धारित कार्यक्रमों के अन्तर्गत पुष्प प्रदर्शनी से जुड़ी फोटोग्राफी, फूल की पंखुड़ियों की रंगोली, स्कूली बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता के साथ ही व्यावसायिक पुष्प उत्पादकों, सरकारी संस्थानों के अतिरिक्त व्यक्तिगत तथा गैर सरकारी संस्थानों के पुष्प उत्पादकों की भागीदारी विशेष रूप से सुनिश्चित की गई है।

इस संदर्भ में वन्य एवं ग्राम्य विकास आयुक्त, श्री राजीव गुप्ता द्वारा भी व्यापक प्रकाश डाला गया। कर्टन रेजर के समय सचिव उद्यान श्री विनोद फोनिया, सचिव श्री राज्यपाल अशोक पई, अपर सचिव श्री राज्यपाल अरूण कुमार ढौड़ियाल, अपर सचिव उद्यान श्री जे.एस.पाण्डे सहित पी.डबलू.डी., उद्यान, पन्तनगर कृषि विश्वविद्यालय, उरेडा सहित अन्य कई सम्बन्धित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

- **04 मार्च को (1:00 बजे से सांय 5:00 तक) बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता तथा (सांय 7:00 से 8:00 बजे तक) लोक गायिका बसंती बिष्ट का मांगल/जागर गायन राजभवन ऑडिटोरियम ।**
- **05 मार्च को (सांय 7:00 बजे से 8:00 बजे तक) उत्तराखण्ड बीट्स का राजभवन ऑडोटोरियम में प्रस्तुतीकरण।**
- **04 एवं 05 मार्च को दिन के समय राजभवन परिसर में प्रदेश के लोक कलाकारों का प्रदर्शन।**
- **06 मार्च (1:00 बजे से 2:00 तक) पुरस्कार वितरण समारोह।**

सूचना अधिकारी, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड मो0–9456590619 टेली फैक्स 0135–2756172